INTERNATIONAL RIVERS
PEOPLE · WATER · LIFE

नदियों के अधिकार – नदी संरक्षण के लिए सामुदायिक गाइड

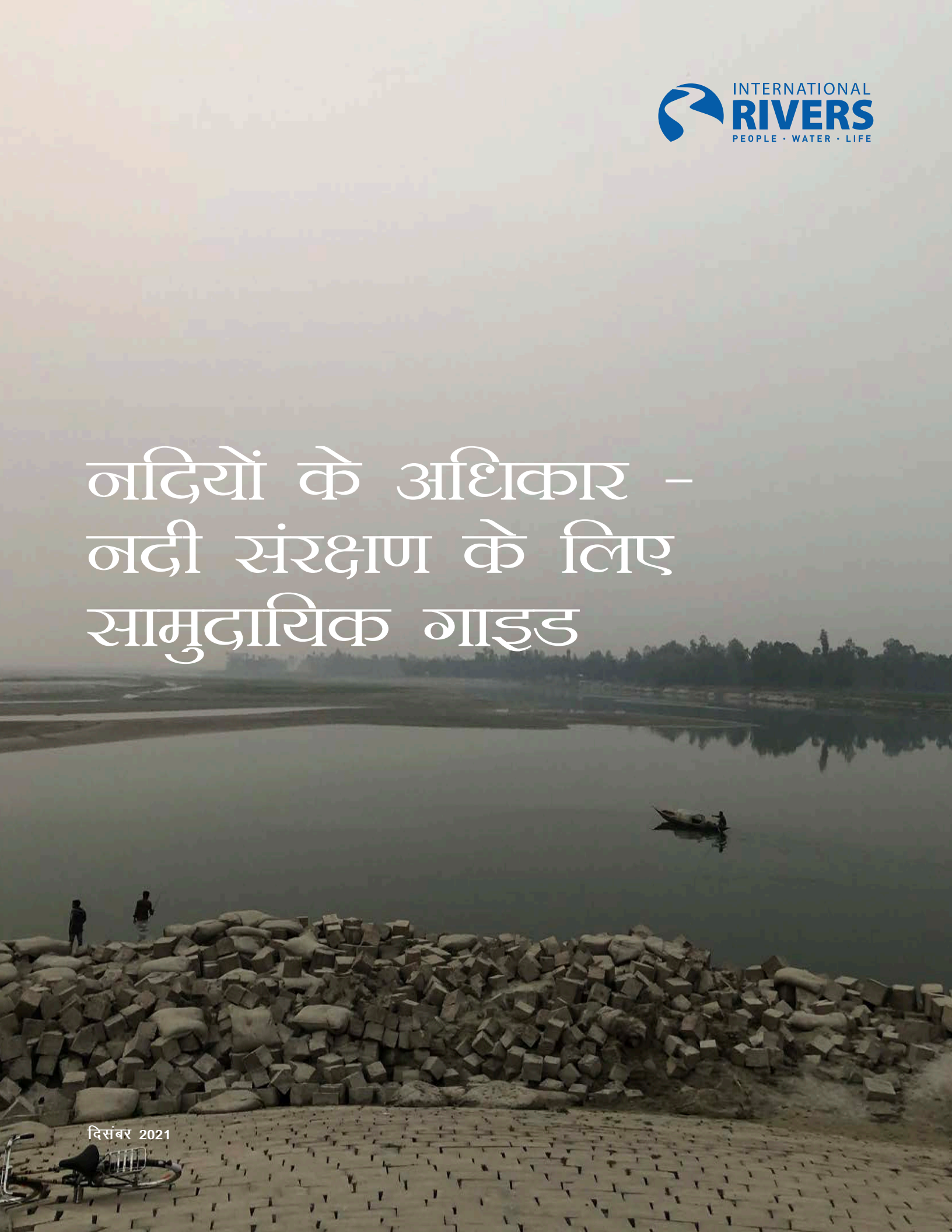

दिसंबर 2021

नदियों के अधिकार – नदी संरक्षण के लिए सामुदायिक गाइड – दिसंबर 2021

इंटरनेशनल रिवर्स के बारे में

इंटरनेषनल रिवर्स नदियों का संरक्षण करती हैं और उन पर निर्भर समुदायों के अधिकारों की जनवकालत करती हैं। हम एक ऐसी दुनिया चाहते हैं जहां स्वस्थ नदियों और स्थानीय नदी समुदायों के अधिकारों को महत्व दिया जाए और उनका संरक्षण किया जाए। हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करते हैं जहां पानी और ऊर्जा की जरूरतें प्रकृति को खराब किए बिना या बढ़ती गरीबी के बिना पूरी की जाती हैं, और जहां लोगों को उनके जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेने का अधिकार है।

यह रिपोर्ट दिसंबर 2021 में इंटरनेषनल रिवर्स द्वारा प्रकाषित की गई थी।

लेखकः सबरीना के ग्योरवरी
डिजाइन और लेआउटः एस्पायर डिजाइन
अनुवाद : राजेश कुमार
फोटो : आयशा डिसूजा/इंटरनेशनल रिवर्स

अस्वीकरणः इस प्रकाषन में व्यक्त विचार आवष्यक रूप से ट्रोसा कार्यक्रम के विचार नहीं हैं।

344 20वीं स्ट्रीट
ओकलैंड सीए 94612, यूएसए
दूरभाषः +1 510 848 1155
www.internationalrivers.org

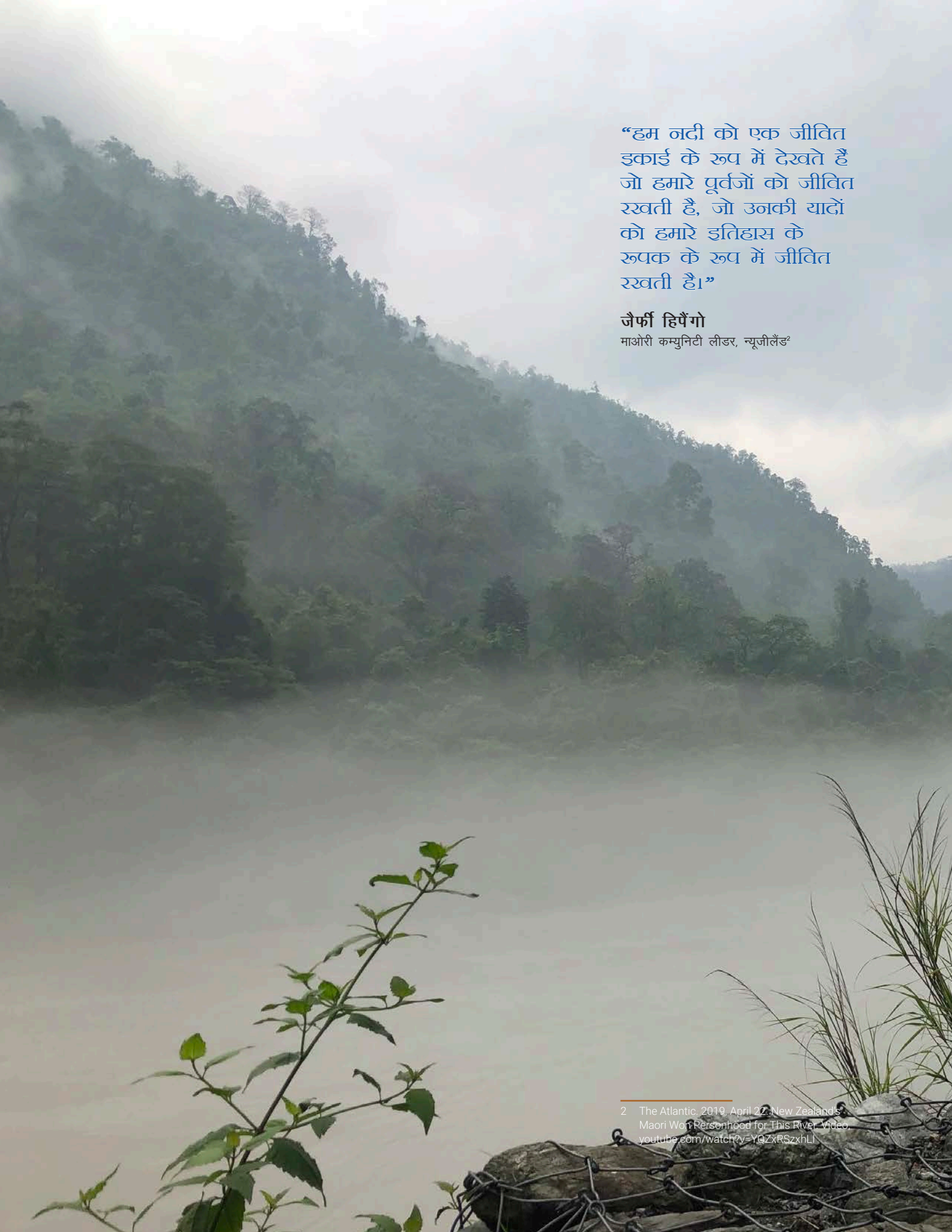

“हम नदी को एक जीवित इकाई के रूप में देखते हैं जो हमारे पूर्वजों को जीवित रखती है, जो उनकी यादों को हमारे इतिहास के रूपक के रूप में जीवित रखती है।”

जैर्फी हिपैंगो
माओरी कम्युनिटी लीडर, न्यूजीलैंड[2]

2 The Atlantic. 2019, April 22. New Zealand's Maori Won Personhood for This River. Video. youtube.com/watch?v=YQZxRSzxhLI

पृथ्वी पर जीवन के लिए स्वस्थ नदियाँ आवश्यक हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक जल चक्र को बनाए रखते हुऐ हमारे ग्रह पर नदियों का प्रवाह प्रजातियों की अद्भुत विविधता का बनाये रखता है। नदियाँ दलदली भूमि को पानी से भरती हैं, महासाग. रों को जीवन देने वाले पोषक तत्व पहुँचाती हैं, और जीवन से भरे तलछट को नदी डेल्टा तक ले जाती हैं।

हालाँकि, पृथ्वी की नदियाँ मर रही हैं। पहले से कहीं अधिक तेजी से मनुष्य बिजली और सिंचाई के लिए बड़े बांध बना रहे हैं, नदी के पानी को खेतों और शहरों की ओर मोड़ रहे हैं, और भूजल को पीने, खेती और उद्योग में उपयोग के लिए पंप कर रहे हैं। दुनिया की कई नदियां अब पूरी तरह से सूख चुकी हैं। हमारी बची हुई नदियाँ का दम घुट रहा हैं खेतों व अपषिष्ट से बंद और कारखानों और कस्बों से सीवेज उनको जीवित रहने की आवष्यक ऑक्सीजन को काट रहे हैं। पिछली शताब्दी में सभी दलदली भूमि का आधा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है और दुनिया के जलीय पारिस्थितिक तंत्र– महासागरों, झीलों और नदियों सहित– ने 1970 के दषक के मध्य से अपनी जैव विविधता का आधा हिस्सा खो दिया है। संयुक्त राष्ट्र के एक हालिया अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि कुछ ही दषकों में दस लाख जानवरों और पौधों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं।[2]

अभी भी कोई बहुत देर नहीं हुई। हम अपने सबसे बुनियादी लक्ष्यों और मूल्यों पर पुनर्विच. ार करके और प्रकृति के साथ व्यक्तियों और समाजों के साथ बातचीत करने के तरीके को बदलकर अपनी नदियों और उनके जीवन के विनाष को रोक सकते हैं। प्रकृति के अधिकार एक ऐसा विचार है जो हमें यह स्वीकार करते हुए समाधान प्रदान करता है कि प्रकृति केवल मानव की संपत्ति नहीं है, बल्कि इसके मूल अधिकार हैं।

प्रकृति के अधिकार के दृ्टिकोण को अपनाकर, हम अपनी कानूनी प्रणाली को बदल सकते हैं ताकि यह प्रकृति की भलाई की रक्षा कर सके। प्रकृति को कानूनी दर्जा देने के लिए हमारे कानूनों को बदलने से प्रकृ ति के अधिकारों का सीधे अदालत में बचाव हो सकेगा। प्रकृति के अधिकारों के हिस्से के रूप में, नदियों का अधिकार आंदोलन घो्ित करता है कि सभी नदियाँ जीवित संस्थाएँ हैं और मौलिक अधिकारों की हकदार हैं।

नदियों के अधिकारों की सार्वभौम घोषणा में शामिल विचारों का सारांष निम्नलिखित है।[3] यह नई घोषणा नदियों के अधिकारों को हकी. कत बनाने के लिए नागरिकों, वकीलों, नीति निर्माताओं और समुदाय के नेताओं के लिए एक गाइड है।

क्या नदियों के अधिकार एक नया विचार है?

मूलनिवासी लोग और सभी आध्यात्मिक धर्मों के अन्य समुदायों सहित दुनिया भर के लोगों ने लंबे समय से अपनी परंपराओं, धर्मों, रीति–रिवाजों और कानूनों के माध्यम से माना है कि प्रकृति, और विषेष रूप से नदियॉ अपने अधिकारों के साथ जीवित इकाई हैं।

नदियों के अधिकारों को मान्यता देना हमारी वर्तमान कानूनी प्रणाली को लंबे समय से प्रचलित स्वदेषी कानूनों के साथ जोड़ने का एक तरीका है। जबकि स्वदेषी कानून जितने विविध है उतनी ही विविधता स्वदेषी संस्कृ तियों में हैं, वे एक समझ साझा करते हैं कि मनुष्य और नदियां एक विस्तारित परिवार का हिस्सा हैं जो वंष और मूल साझा करते हैं। यह दृष्टिकोण हमें प्राकृतिक दुनिया के भीतर सम्मान और जिम्मेदारी से व्यवहार करना सिखाता है, ठीक उसी तरह जैसे हमसे अपने विस्तारित परिवारों के सदस्यों के रूप में व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है।

"हम नदी को भाई या बहन, पिता या माता के रूप में देखते है। इसके भी अधिकार है, जैसे आपके और मेरे ... जब आप एक बीमार नदी के साथ काम कर रहे होते है, तो आप खुद को बीमार महसूस करते है, क्योंकि वह नदी आप है और आप वह नदी है।"

जेरार्ड अल्बर्ट,
वांगानुई जनजातियों के प्रशासन निकाय के अध्यक्ष, न्यूजीलैंड[4]

नदियों के अधिकार आंदोलन इस मान्यता पर आधारित है कि लोग और नदियाँ एक गहरे संबंध को साझा करते हैं, और यह इस बात के लिए दिषा–निर्देष बनाता है कि हम ऐसे तरीको के व्यवहार कैसे कर सकते हैं जो इस संबंध का सम्मान करे।

2 https://www.un.org/sustainabledevelopment/blog/2019/05/nature-decline-unprecedented-report/

3 https://www.internationalrivers.org/resources/reports-and-publications/rights-of-river-report/

4 https://www.nationalgeographic.com/culture/graphics/maori-river-in-new-zealand-is-a-legal-person

हमारी वर्तमान कानूनी प्रणाली में क्या गलत है?

भले ही अब हमारे पास मौजूद सभी कानूनों का ठीक उसी तरह से उपयोग किया गया हो जैसा उनका इरादा था, हमारी नदियां– और जीवन हमारे ग्रह पर – अभी भी मुष्किल में होगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी कानूनी प्रणाली मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है। प्रकृति और मनुष्य परस्पर जुड़े हुए हैं। लेकिन हमारे कानून इस धारणा पर आधारित हैं कि हम अपनी पसंद के अनुसार प्राकृतिक दुनिया के तत्वों को अलग और नियंत्रित कर सकते हैं। वर्तमान कानूनी व्यवस्था के तहत नदियों को संपूर्ण जीवित संस्थाओं के रूप में नहीं देखा जाता है, बल्कि पानी, नदी किनारे, किनारे, सहायक नदियों और जलग्रहण क्षेत्रों जैसे भागों में विभाजित किया जाता है। इन भागों में से प्रत्येक का निजी स्वामित्व और आर्थिक लाभ के लिए शोषण किया जा सकता है।

प्रकृति को अपने अधिकारों के साथ जीवन देने वाली इकाई के बजाय केवल मानव संपत्ति के रूप में मानने से इसका विनौं हुआ है। यह दुनिया के कई हिस्सों में होने लगा जब बसने वाले मूल निवासियों की भूमि में चले गए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आधार पर नए कानून लाए गये जिसने प्राकृतिक दुनिया के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों की अनदेखी की।

नदियों के अधिकार यह स्वीकार करते हुए इस समस्या का समाधान करते हैं कि मनुष्य और अन्य प्राकृतिक संस्थाएं एक ही पारिस्थि. तिकी तंत्र के सदस्य हैं और इस प्रकार कान. ून के तहत समान सुरक्षा के पात्र हैं।[5] अपनी नदियों को देखने के इस नए तरीके को अप. नाने से हम अपनी कानूनी व्यवस्था का पृथ्वी के प्राकृतिक नियमों के साथ सामंजस्य स्था. पित करने की अनुमति देते हैं, बजाय इसके कि हम पृथ्वी को अपने मानव–निर्मित कानूनों के भीतर काम करने के लिए मजबूर करने की कोषिष करें। यह सुनिष्चित करेगा कि मनुष्यों की वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों और अन्य प्रजातियों के पास उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्वच्छ पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधन हों।

कानून के तहत नदियों को अधिकार कैसे दिए जाते हैं?

नदियों को कानून के तहत अपना अधिक. ार तब मिलता हैं जब कोई न्यायाधीष उन्हें कानूनी व्यक्तित्व प्रदान करता है। पष्चिमी कानूनी विचार में जीवित प्राणी जो हमारे प्राकृतिक वातावरण का हिस्सा हैं, उनके पास स्वतः अधिकार नहीं होते हैं। हमारी कानूनी व्यवस्था के तहत अधिकार पाने के लिए एक जीवित प्राणी को "कानूनी व्यक्ति" या "कानूनी विषय" घोषित किया जाना चाहिए। नदियों को कानूनी व्यक्तित्व प्रदान करने का अर्थ है यह स्वीकार करना कि सभी नदियाँ जीवित इकाई हैं जिनके पास अधिकार हैं जिन्हें अदालत में बरकरार रखा जाना चाहिए।

कहने का दूसरा तरीका यह है कि हम नदियों को कानून के तहत वस्तु के बजाय विषय बना रहे हैं। एक वस्तु के विपरीत एक कानूनी विषय अधिकार रखने में सक्षम है। ऐतिहासिक रूप से केवल एक इंसान ही कानूनी विषय हो सकता है। लेकिन प्रकृति अंदोलन के अधिकार इसे बदल रहा है। एक बार जब एक नदी को एक कानूनी व्यक्ति और कानूनी अधिकारों के विषय के रूप में मान्यता दी जाती है, तो अदालत यह सोचने में सक्षम हो जाती है कि नदी के पास अब कौन से विषिष्ट अधिकार हैं।

5 This idea is called bio-cultural rights

नदियों के क्या अधिकार हैं?

जैसे–जैसे नदियों के अधिकार आंदोलन को बल मिल रहा है, दुनिया भर में वकील, न्यायाधीष, नागरिक और उनकी सरकारें एक–दूसरे से सीख रही हैं, और कई देषों ने नदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून पारित करना शुरू कर दिये है। ये अधिकार विभिन्न सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और कानूनी विचारों पर आधारित हैं लेकिन सभी समान मूल अधिकारों की गारंटी देते हैं।

प्रवाह का अधिकार

प्रवाह के अधिकार की तुलना मनु÷य के सांस लेने के अधिकार से की जा सकती है। अगर हम सांस नहीं ले सकते, तो हमारा तत्र बंद हो जाता हैं। जैसे ही एक नदी बहती है, यह स्वस्थ नदी जीवन के लिए आवष्यक ऑक्सी. जन लेती है। मछली, समुद्री शैवाल, शंख और कई अन्य प्रजातियां एक स्वस्थ नदी प्रणाली में पनपती हैं। पूरे नदी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक नदी का प्रवाह पर्याप्त मजबूत होना चाहिए। लोगों नहीं, नदियों अपने भीतर बहने वाले पानी का मालिक होना चाहिए।

अपने पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर आवश्यक कार्य करने का अधिकार

एक नदी मौसमी बाढ़ के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों में पोषक तत्वों को लाने और समृद्ध तलछट को स्थानांतरित करने और जमा करने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। नदियाँ हमारे भूजल को भी भर देती हैं और देषी वनस्प. तियों और जीवों को बढ़ने एवं पनपने के लिए स्थान प्रदान करती हैं। इन महत्वपूर्ण कार्यो को करने के लिए एक नदी को स्वतंत्र होना चाहिए।

प्रदूशण से मुक्त होने का अधिकार

खेतों, कारखानों, खानों और शहरों से रसायन, पोषक तत्व और भारी धातुएँ हमारी नदियों को प्रदूषित करती हैं, और प्लास्टिक हवा से उड़ाया जाता है या तूफानी नालियों और सीव. रों के माध्यम से नदियों में बहा दिया जाता है। इन प्रदूषकों के कारण शैवाल तेजी से बढ़ते हैं। जब शैवाल मर जाते हैं और सड़ जाते हैं, तो यह नदियों की ऑक्सीजन का उपयोग करता है। पानी में पर्याप्त ऑक्सीजन के बिना, मछली और अन्य जीवों का दम घुटता है। जल प्रदूषण पूरे नदी पारिस्थितिकी तंत्र को ध्वस्त कर सकता है।

नित्य जलभृत चट्टान द्वारा सिंचित होने और खिलाने का अधिकार

एक जलभृत चट्टान या तलछट का एक पिंड है जो भूजल बनाये रखता है। भूजल स्वतंत्र रूप से भूमिगत बहता है और प्राकृतिक रूप से बारिष और बर्फबारी, नदियों और उनकी धाराओं द्वारा फिर से भर दिया जाता है। जब मनुष्य पीने और सिंचाई के लिए बहुत अधिक भूजल निकालते हैं तो जलभृत चट्टान ढह सकते हैं, जिससे पानी को स्टोर करने और हमारी नदियों को खिलाने की उनकी क्षमता हमेषा के लिए कम हो जाती है।

मूल जैव विविधता का अधिकार

मूल जैव विविधता उन प्रजातियों को संदर्भित करती है जो एक विषिष्ट नदी बेसिन में स्वाभ. ाविक रूप से होती हैं। देषी पौधे, मछली और जानवर लाखों वर्षों में नदी के साथ विकसित हुए और उस विषेष वातावरण में रहने के लिए पूरी तरह से अनुकूलित हैं। जब मनुष्य नदियों में गैर–देषी मछलियों को रखता है, और जब गैर–देषी प्रजातियां षिपिंग नहरों और वैश्विक व्यापार मार्गों के माध्यम से नदियों में प्रवेष करती हैं, तो मूल जैव विविधता को नुकसान होता है। यह प्रकृति के संतुलन को नष्ट करता है और देषी प्रजातियों के लिए खतरा है।

उत्थान और बहाली का अधिकार

जिस नदी को नुकसान पहुंचा है, उसे अपने स्वास्थ्य को बहाल करने का अधिकार है। एक नदी अपने स्वास्थ्य को तब प्राप्त करती है जब उसका प्राकृतिक प्रवाह और उसके तलछट की गति बहाल हो जाती है। इसमें नदी किनारे और बाढ़ के मैदानों की प्राकृतिक स्थिति को बहाल करना भी शामिल हो सकता है। एक नदी की प्राकृतिक परिस्थितियों को बहाल करना नदी प्रणाली और उस पर निर्भर प्रजा. तियों को स्वस्थ और लचीला बनाता है।

नदी के अधिकार कितने दूर तक फैले हुए हैं?

एक नदी के अधिकारों में पहाड़ के ग्लेषियरों से जो नदी को भरते हैं, उसकी मुख्यधारा, सहायक नदियों और धाराऐं तक उसकी पूरी प्रणाली शामिल है। यह आसपास की नदी जलग्रहण क्षेत्र, वाटरषेड, बाढ़ के मैदानों, घाटियों और दलदल भूमि तक फैला हुआ है। इसमें नदी प्रणाली के भीतर रहने वाली सभी प्रजातियां जैसे पौधे, मछली और शंख भी शामिल हैं। चूंकि दुनिया की कई प्रमुख नदियां कई देषों से होकर गुजरती हैं, इसलिए नदी के अधिकारों को हासिल करने के लिए इसमें शा. मिल सभी सरकारों के सहयोग की आवष्यकता होगी।

समुदाय अपनी नदियों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए किन दृष्टिकोणों का उपयोग कर रहे हैं?

अपनी नदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए समुदाय कई अलग–अलग दृष्टिकोण अपना रहे हैं। कुछ मामलों में, प्रकृति के अधिक. ार इन्डिजनस कानूनों और संधि अधिकारों पर आधारित होते हैं। इनमें प्रथागत कानून शामिल हो सकते हैं, जिसका अर्थ है कानूनी प्रणाली और दायित्व जो समय के साथ अभ्यास से उत्पन्न हुए हैं, न कि औपचारिक लिखित कानूनों से।

नागरिकों ने अन्य जगहों पर अपने देष के संविधान द्वारा गारंटीकृत संवैधानिक अधिकारों के रूप में प्रकृति के अधिकारों को सफलताप. ूर्वक हासिल किया है। प्रकृति के अधिकारों को राष्ट्रीय कानूनों में भी लिखा जा सकता है या सीधे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्रियों द्वारा कार्यकारी कार्यों के रूप में पारित किया जा सकता है (जिन्हें कार्यकारी आदेष भी कहा जाता है)। ऐसे मामलों में जब कोई राष्ट्रीय सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तब नागरिकों ने अपनी नदियों को कानूनी सुरक्षा रू‍ से सुरक्षित करने के लिए स्थानीय कानूनों या अध्यादेषों की वकालत की है। इसमें उन मामलों की जांच और समाधान के लिए विषेष स्वतंत्र प्राधिकरण, ट्रिब्यूनल या परिषद स्था. पित करना शामिल हो सकता है जहां नदियों के अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। ये विषेष निकाय नदी संरक्षण के लिए मानक स्थापित करने और यह सुनिष्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि इसमें शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए।

कानूनी अभिभावकता

यदि किसी नदी के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है तो उस नदी को उस देष या देषों की कानूनी प्रणाली के माध्यम से न्याय प्राप्त करने का अधिकार है जहां से वह बहती है। एक नदी जज को कैसे दिखाती है कि उसे नुकसान हुआ है? ऐसा करने हेतु नदियों को अदालत में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए कानूनी अभिभावक नियुक्त किया गया है।

नदी के संरक्षक मूल निवासी लोग हैं और उन समुदायों के नदी उपयोगकर्ता हैं जो परंप. रागत रूप से नदी पर निर्भर हैं। कानूनी अ. भभावकों में मूलनिवासी और गैर– मूलनिवासी वैज्ञानिक, वकील, कानूनविद और विषेष ज्ञान वाले अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। एक नदी संरक्षक का काम नदी के सर्वोत्तम हित में कार्य करना है। यह सुनिष्चित करने के लिए नदी की ओर से बोलना कि उसके अधिकारों को पूरी तरह से मान्यता प्राप्त है। नदी के पर्यावरण, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देने एवं संरक्षित करने के लिए नदी के अभिभावक अपनी सरकारों के साथ मिलकर काम करते हैं। और यह सुनिष्चित करना कि नागरिकों और नदी दोनों के हितों की सेवा की जा रही है।[6]

6 https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/02508060.2019.1643525

"नदी के सबसे करीब वे लोग होंगे जो अब से इसे देख रहे हैं। एकुएनित्सित की इनू हर्मैा नितासिनन (पैतृक क्षेत्र) के रक्षक रहे हैं और मुतौकौ-शैपु नदी के अधिका. रों की मान्यता के माध्यम से ऐसा ही रहेगा।

जीन–चार्ल्स पिएटाचो, इनु काउंसिल ऑफ इकुएनित्सिट के प्रमुख, क्यूबेक, कनाडा7

मानवाधिकार कानून

प्रकृति के अधिकारों को कुछ देशों में अंत. र्राष्ट्रीय मानवाधिकार ढांचे के हिस्से के रूप में शामिल करके सुरक्षित किया गया है। यह एक स्वाभाविक कदम है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में पहले से ही एक स्वस्थ पर्यावरण और मूलनिवासी लोगों के अधिकार जो प्रकृति के अधिकार आंदोलन में दोनो महत्वपूर्ण अवधारणाएं शामिल हैं। मानव अधिकार कानून में प्रकृति के अधिकारों को शामिल करने से महत्वपूर्ण नई कानूनी अवध. ारणाओं का विकास हुआ है जैसे पर्यावरण मानवाधिकार और जैव–सांस्कृतिक अधिकार, जो यह मानते हैं कि मनुष्य और अन्य प्राकृ तिक संस्थाएं एक ही पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्य हैं, और इस प्रकार कानून के तहत समान सुरक्षा के पात्र हैं।

रणनीतिक मुकदमेबाजी

नदियों की रक्षा हेतु नए तरीकों से कानून लागू करने के लिए कई समुदाय रणनीतिक मुकदमेबाजी का उपयोग कर रहे हैं। मुक. दमेबाजी कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया को संदर्भित करती है, और रणनीतिक मतलब है कि इस प्रक्रिया को नदियों हेतु कानूनी अधिकार हासिल करने जैसे एक विषेष और दीर्घकालिक उद्देष्य की पूर्ति के लिए सावध. ानीपूर्वक योजना बनाई गई है। रणनीतिक मुकदमेबाजी का उद्देष्य एक विषिष्ट मामले के दायरे से परे एक समाज और उसकी कानूनी प्रणाली में व्यापक परिवर्तन लाना है। रणनी. तिक मुकदमेबाजी के माध्यम से लोग अन्याय को दूर करने और कानून में कमजोरियों एवं कमियों को उजागर करने हेतु अपनी कानूनी प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं। लक्ष्य प्रकृ ति के अधिकारों का सम्मान करना, उनकी रक्षा करना और उन्हें पूरा करने के लिए कानूनों, नीतियों और प्रथाओं को बदलना है। रणनीतिक मुकदमेबाजी अन्याय के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के बारे में भी है। शैक्षिक सामग्री मामले के बारे में अन्य नागरिकों को इसके महत्व को समझाने और नदियों के अधिकारों के महत्व के बारे में चर्चा को प्रोत्सा. हित करने में मदद कर सकती है। इस तरह रणनीतिक मुकदमेबाजी स्थायी राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन ला सकती है।

हालांकि इनमें से कुछ दृष्टिकोण गैर–बाध्यका. री हो सकते हैं, जिसका अर्थ है कि वे कानून द्वारा लागू करने योग्य नहीं हैं, फिर भी वे सामाजिक मूल्यों को बदलने और आंदोलनों के निर्माण में प्रभावी हो सकते हैं। दुनिया भर के लोग नदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए वैश्विक आंदोलन में बदलाव लाने, सीखने और नए दृष्टिकोण साझा करने के लिए संग. ठित हो रहे हैं और कार्रवाई कर रहे हैं। इन अधिकारों को मान्यता देना और घोषित करना नैतिक और राजनीतिक दोनों ताकतों के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बदलने में मदद कर रहा है।

7 https://cpaws.org/for-the-first-time-a-river-is-granted-official-rights-and-legal-personhood-in-canada/

किन देशों ने नदियों के अधिकार दिए हैं?

नदियों के अधिकारों को मान्यता और लागू करके नदियों के विनाष को रोकने के लिए नागरिकों की बढ़ती संख्या दुनिया भर में अपनी सरकारों के साथ काम कर रही है। यह कई तरीकों से पूरा किया गया है, जिसमें कानूनी मामले, बातचीत, प्रकृति के अधिकारों को राष्ट्रीय संविधानों में बदलना और स्वदेषी उपनियमों में नदियों के अधिकारों को शामिल करना शामिल है। इस प्रक्रिया को उजागर करने वाली कुछ कहानियां यहां दी गई हैं।

कोलंबिया

कोलंबिया में, 2016 के एक संवैधानिक न्यायालय के फैसले में पाया गया[8] कि एट्राटो नदी को सदियों के खनन से भारी प्रदूषण ने न केवल कई मूलनिवासीयों और एफ्रो–अमेरि. की समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन किया है, बल्कि नदी के अधिकारों का भी उल्लंघन किया है। अदालत ने इन समुदायों के नेताओं को नदी संरक्षक के रूप में मान्यता दी और नियुक्त किया। इस मामले में न्यायाधीष ने नदी के अधिकारों और उस पर निर्भर लोगों के अधिकारों के बीच संबंध पर जोर देने के लिए नए शब्द 'जैव सांस्कृतिक अधिकार' का इस्तेमाल किया। इस अभूतपूर्व निर्णय ने पूरे कोलंबिया में समान कानूनों को अपनाए जाने का मार्ग खोल दिया है।

8 http://files.harmonywithnatureun.org/uploads/upload838.pdf

उत्तरी अमेरिका

2020 में Nez Perce Tribe General Council ने स्नेक नदी को एक जीवित इकाई के रूप में मान्यता दी, जिसके पास अस्तित्व सहित अधिकार, फलने–फूलने, विकसित होने, प्रवाह और पुनः उत्पन्न करने का अधिकार और बहाली का अधिकार हैं। स्नेक नदी और इसके द्वारा समर्थित सभी प्रजातियां, विषेष रूप से सैल्मन, लंबे समय से नेज़ पर्स लोगों की कहानियों, किंवदंतियों, समारोहों और पह. चान के केंद्र में हैं। हालांकि कभी स्नेक नदी में लाखों में सैल्मन पैदा किया था, लेकिन जल प्रदूषण, जल मोड़ परियोजनाओं और बा. धों ने उनके अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। साल्मन की गिरावट ने चील और भालू से लेकर ऑर्कास और मनुष्यों तक जीवन के पूरे जाल को प्रभावित किया है। नदी के अधि. कारों को मानते हुए Nez Perce जनजाति लंबे समय से विश्वास के साथ अपनी कानूनी व्यवस्था में सामंजस्य स्थापित कर रही है कि स्नेक नदी जीवित है, यह सुनिष्चित करने के लक्ष्य के साथ कि Nez Perce लोग स्वस्थ स्नेक नदी के साथ तालमेल बिठाते हैं।[9]

न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के मूलनिवासी माओरी लोग पवित्र वांगानुई नदी के लिए "एक कानूनी व्यक्ति" के रूप में मान्यता प्राप्त करने में सफल रहे। एक सदी से भी अधिक समय तक माओरी लोगो ने नदी पर नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए न्यूजीलैंड की औपनि. वेषिक सरकार को चुनौती दी थी। अदालत ने नदी को कानूनी व्यक्तित्व प्रदान करने में, माओरी लोगो की नदी की अपनी दृष्टि का " व्यक्तित्व और जीवित संपूर्ण के रूप में मान्यता दी है। जिसमें पहाड़ों से समुद्र तक वांगानुई नदी और इसके सभी भौतिक और आध्यात्मिक तत्वों को शामिल किया है।[10] नदी का प्रतिनिधित्व अब कानूनी अभिभावकों द्व ारा किया जाता है जो इसे एक आध्यात्मिक और भौतिक इकाई के रूप में पहचानते हैं जो वांगानुई नदी के भीतर जीवन का समर्थन करता है और नदी के समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करता है।

दक्षिण एशिया

भारत में उत्तराखंड के उच्च न्यायालय ने गंगा और यमुना नदियों के कानूनी व्यक्तित्व और हम सभी के लिए उनके "प्राचीन समय के लिए भौतिक और आध्यात्मिक जीविका"

9 http://files.harmonywithnatureun.org/uploads/upload980.pdf

10 https://www.thethirdpole.net/en/climate/opinion-time-to-recognise-and-respect-rivers-legal-rights/

को मान्यता दी। फैसले में कहा गया है कि नदियां वैज्ञानिक और जैविक रूप से जीवित प्राणी हैं जिन्हें प्रदूषित नहीं होने का अधिकार है। उन्हें अपने स्वयं के महत्वपूर्ण पारिस्थि. तिक तंत्र को अस्तित्व को बनाए रखने और पुनः उत्पन्न करने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि नदियों को प्रदूषित करना और उन्हें नुकसान पहुंचाना कानूनी तौर पर उसी तरह है जैसे किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाना।[11] हालांकि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में फैसले को खारिज कर दिया, यह कानून के तहत नदियों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत थी।

बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 में देष की सभी नदियों को कानूनी व्यक्तियों के अधिकारों के साथ जीवित संस्थाओं की घोषणा करने के निर्णय को बरकरार रखा। न्यायालय ने घोषित किया, "पानी निष्चित रूप से अगली शताब्दी का सबसे अधिक दबाव वाला पर्यावरणीय विषय है," और जलमार्गों को संरक्षित करने का आह्वान किया "चाहे जो भी कीमत हो।"[12] यह निर्णय नदियों को निजी और सार्वजनिक (सरकारी) दोनों संस्थाओं से होने वाले नुकसान से बचाता है। न्यायालय ने एक नई सरकारी एजेंसी, राष्ट्रीय नदी संरक्षण आयोग को देष की नदियों के कानूनी संरक्षक के रूप में नियुक्त किया। बांग्लादेष दुनिया के सबसे बड़े डेल्टा का घर है, और देष में 57 नदियों का पानी बहता है। कानून का लक्ष्य इन नदियों की रक्षा करना है – जिनमें से कई अत्यधिक प्रदूषित हैं – ताकि बांग्लादेषी लोग पीने के पानी, मछली पकड़ने और कृषि के लिए उन पर निर्भर रहना जारी रख सकें।

सरकारों के क्या कर्तव्य हैं?

एक बार जब सरकार नदी के अधिकारों को मान्यता देती है, तो नदियों के अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा उन ठोस कदमों को बताती है जो यह सुनिष्चित करने के लिए उठाए जाने चाहिए कि उन अधिकारों को लागू किया जाए और उनका सम्मान किया जाए। पहले कदम के रूप में सरकार को धन उपलब्ध कराना चाहिए और नदी को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए लोगों को नियुक्त करना चाहिए। एक बार जब यह समझ में आ जाए कि नदी के स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए क्या काम करने की जरूरत है, तो वह काम जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए। इसमें प्रदूषण की सफाई और नदी के प्रवाह को अवरुद्ध करने वाले बांधों और अन्य मोड़ों को हटाना शामिल हो सकता है ताकि यह फिर से स्वतंत्र रूप से बह सके। इसका मतलब नदी के जलग्रहण क्षेत्रों को बहाल करना भी हो सकता है ताकि पानी और गाद एक बार फिर नदी में स्वाभाविक रूप से प्रवाहित हो सके।

एक सरकार को यह सब काम एक सहयोगी

11 https://www.thethirdpole.net/en/climate/opinion-time-to-recognise-and-respect-rivers-legal-rights/

12 https://www.initiativesrivers.org/actualites/rights-for-all-the-rivers-and-watercourses-of-bangladesh/

तरीके से करना चाहिए। जिसमें नदी के संरक्षक और मूलनिवासी लोग एवं नदी पर निर्भर समुदाय के सदस्य शामिल हों। नए बा.ध या अन्य परियोजनाएं जो पानी को मोड़ती हैं या नदी के प्रवाह को बदल देती हैं, केवल तभी निर्माण किया जाना चाहिए जब कोई अन्य विकल्प न मिल सके। यदि अपरिहार्य हो, तो इन परियोजनाओं को नदी के स्वास्थ्य को संरक्षित करने के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीक का उपयोग करना चाहिए। दीर्घकाल में सरकारों को नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बदले बिना देष की जरूरतों को पूरा करने के तरीके खोजने हेतु नागरिकों और विषेषज्ञों के साथ काम करना चाहिए।

नदियों के अधिकारों के बारे में सरकारों को अच्छा काम करने के लिए न्यायाधीषों के फै.सले स्पष्ट होने चाहिए। नदियों के अधिकारों को सुरक्षित करने के साथ साथ सरकारों को उन समुदायों के अधिकारों का भी सम्मान करना चाहिए जो उन नदियों पर निर्भर हैं। और समुदाय के सदस्यों को उनकी नदियों के आसपास के निर्णयों में भाग लेने का अवसर देना चाहिए। जहां नदियां विभिन्न देषों से होकर गुजरती हैं, उन देषों की सरकारों को नदी की रक्षा के लिए मिलकर काम करने के नए तरीके खोजने चाहिए। और नदी के अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करना चाहिए। यह चुनौतीपूर्ण होगा, खासकर उन देषों के लिए जिनका एक साथ काम करने का अच्छा इतिहास नहीं है।

एक और बड़ी चुनौती यह है कि दुनिया की आर्थिक व्यवस्था अभी भी नदियों का दोहन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिए बनाई गई है। हमें अपनी कानूनी व्यवस्था में सुधार के अलावा अपनी आर्थिक व्यवस्था पर पुनर्विचार करना होगा। हमें अपनी आर्थिक व्यवस्था को बदलना चाहिए ताकि यह उन लोगों को पुरस्कृत करे जिनके कार्यों से स्वस्थ और लचीली नदियाँ बनती हैं। ऐसा करने के लिए हमें इन मुद्दों के बारे में बेहतर समझ बनाने और समाधान खोजने के लिए संगठित हो कर एक वैश्विक समुदाय के रूप में मिलकर काम करना होगा।

नदियों के आंदोलन के अधिकारों का समर्थन करने के लिए मैं क्या कर सकता हूं?

दुनिया भर के समुदाय नदियों के अधिकारों के आंदोलन का हिस्सा बनने और अपनी नदियों के लिए कानूनी अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। आप इस मानचित्र पर क्लिक करके उनकी प्रगति का अनुसरण कर सकते हैं। इन आंदोलनों में से प्रत्येक को आप जैसे नागरिकों के समूहों द्वारा शुरू किया गया था जो अपनी नदियों के आ.सपास अपनी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए मिले थे। उन्होंने उनकी नदियों को होने वाले नुकसान और उनके कानूनी अधिकारों को सु.रक्षित करके नदियों की रक्षा करने की क्षमता के बारे में पहले अपने समुदायों के भीतर और फिर अपने पूरे देष में जागरूकता बढ़ाने से शुरुआत की। वे वकीलों, राजनेताओं, वैज्ञानिकों और अन्य विषेषज्ञों से जुड़े जिन्होंने अपने मामलों को अदालत में लाने के लिए आवष्यक सबूत तैयार करने के लिए अपनी चिंताओं को साझा किया। साथ ही, उन्होंने पत्रकारों, कलाकारों और सार्वजनिक हस्तियों के साथ काम किया, ताकि उनके समाजों के भीतर नदियों के अधिकार आंदोलन द्वारा पेष किए गए समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के रचनात्मक तरीके खोजे जा सकें।

नदियों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए एक अभियान के आयोजन में यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि नदियों के अधिकार आंदोलन भी एक स्वदेषी अधिकार आंदोलन है। स्वदेषी लोग और नदी के उपयोगकर्ता अपने बड़ों के साथ मिलकर नदियों के आसपास के पारंपरिक ज्ञान और भाषा एवं उन पर निर्भर जीवन को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। इस ज्ञान को साझा करने और जष्न मनाने के लिए लोगों को एक साथ लाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करना और कानूनी समाधानों को समझना और बढ़ावा देना नदियों के अधिकार आंदोलन का एक बड़ा हिस्सा है। जो लोग पारंपरिक नदी उपयोगकर्ता या स्वदेषी लोग नहीं हैं, लेकिन जो नदियों को समान रूप से प्यार करते हैं, वे यह पता लगा सकते हैं कि स्वदेषी लोग और नदी उपयोगकर्ता क्या पहल कर रहे हैं, और पूछ सकते हैं कि उन प्रयासों का सर्वोत्तम समर्थन कैसे किया जाए।

यदि आप अपने समुदाय में नदियों के अधि.कारों की समझ बनाने में मदद करना चाहते हैं, तो आप सहायता और जानकारी के लिए इन्टरनेषनल रीवर, या अर्थ लॉ सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप दुनिया में कहीं भी हैं, हम आपकी अनूठी कानूनी और सांस्कृतिक प्रणालियों के अनुकूल नदियों के अधिकारों पर घोषणा को समायोजित करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

आप इस लिंक पर नदियों के अधिकारों पर सार्वभौम घोषणा पर हस्ताक्षर करके दुनिया की नदियों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन में भी शामिल हो सकते हैं। आप एक व्यक्ति के रूप में हस्ताक्षर कर सकते हैं, या एक समूह के रूप में हस्ताक्षर करने के बारे में अपने समुदाय के लोगों से बात कर सकते हैं। ऐसा करने से, आप दुनिया भर में नागरिकों, सामुदायिक समूहों और संगठनों की बढ़ती संख्या में शामिल हो जाएंगे जो अपनी स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय सरकारों से अपने देष के कानूनों के तहत नदियों के अधिकारों की घोषणा का समर्थन करने और उनकी रक्षा करने का आग्रह कर रहे हैं। आखिरकार, हम आषा करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र भी घोषणा पर हस्ताक्षर करेगा, और इसे विश्व स्तर पर अपनाया जाएगा।

कानून आपके और मेरे जैसे लोगों द्वारा लिखा गया था, इसलिए पृथ्वी को कानून के केंद्र में रखने के लिए आवष्यक परिवर्तन करने से हमें रोकने के लिए कुछ भी नहीं है। हम पहले से ही दुनिया भर के दर्जनों देषों के साथ काम कर रहे हैं, और इस काम को तब तक जारी रखेंगे जब तक दुनिया की हर नदी को अपना पूरा अधिकार नहीं मिल जाता।

> “हम नदी के स्वामित्व में हैं। हम नदी के मालिक नहीं हैं। नदी हमारा मालिक है।”
>
> **जेरार्ड अल्बर्ट,**
> **वांगानुई जनजातियों के शासन निकाय के अध्यक्ष, न्यूजीलैंड[13]**

संसाधन

1. **नदियों के अधिकार रिर्पोट** : https://www.internationalrivers.org/resources/reports-and-publica-tions/rights-of-river-report/
2. **नदियों के अधिकार : दाता नदियों के कानूनी अधिकार की लडाई मे संप्रभुता और संरक्षकता की कहानिया:** https://www.youtube.com/watch?v=EsluKgJRiUo
3. **प्रकृति कानून और नीति के अधिकार:** http://www.harmonywithnatureun.org/rightsOfNature/
4. **न्यूजीलैंड की वागानुई नदि एक कानूनी व्यक्ति है। यह अपनी आवाज का कैसे उपयोंग करेगी?** https://www.nationalgeographic.com/culture/graphics/maori-river-in-new-zealand-is-a-legal-person

13 https://www.nationalgeographic.com/culture/graphics/maori-river-in-new-zealand-is-a-legal-person

Sweden
Sverige

TROSA
TRANS-BOUNDARY
RIVERS OF SOUTH ASIA

OXFAM

INTERNATIONAL
RIVERS
PEOPLE · WATER · LIFE